

साँवरे घनश्याम तुम तो प्रेम के अवतार हो

साँवरे घनश्याम तुम तो
प्रेम का अवतार हो

फस रहा हूँ संकटों में
तुम ही खेवन हार हो

साँवरे लाडले तुम तो
साँवरे घनश्याम तुम तो
प्रेम का अवतार हो

चल रही आँधी भयानक
भावर में नैया फासी

थाम लो पतवार गिरधर
तब ही बेड़ा पार हो

फस रहा हूँ संकाटों में
तुम ही खेवन हार हो

साँवरे घनश्याम तुम तो
प्रेम का अवतार हो

आप का दर्शन हमें
इस छवि से बाराम बार हो

हाथ मुरली मुकुट सिर पेर
और गले में हार हो

फस रहा हूँ संकाटों में
तुम ही खेवन हार हो

साँवरे घनश्याम गिरधर
तुम तो प्रेम का अवतार हो

नंगे पग ताज के गरुँ को
दौड़ने वेल प्रभु

देखना निष्फल ना
मेरे आँशुओं की धार हो

फस रहा हूँ संकाटों में
तुम ही खेवन हार हो

हे सांवरे लाडले
सांवरे घनश्याम तुम तो
प्रेम का आधार हो

सांवरे घनश्याम तुम तो
प्रेम का अवतार हो

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2189/title/saanvare-ghanashyaam-tum-to-prem-ke-avataar-ho>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |